LIDA Stories

lidastories.net

सुबह-सुबह पक्षियों की आवाज़ / Lyden av fugler om morgenen

✎ LIDA Portugal
Vilius Aistis Vilimas
Pratibha Singh (hi), Espen Stranger-Johannessen (nb)

This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
https://creativecommons.org/licenses/by/4.0

सुबह-सुबह पक्षियों की आवाज़

Lyden av fugler om morgenen

✎ LIDA Portugal
Vilius Aistis Vilimas
Pratibha Singh
5
हिन्दी hi / norsk nb

यूलिया, उसके पति और उनकी छोटी बेटी युक्रेन के एक छोटे से शांत गाँव में रहते थे। यूलिया को हर सुबह पक्षियों की आवाज़ से जागना बहुत पसंद था। उसने कभी नहीं सोचा था कि वह घर से बहुत दूर रहेगी या सुबह-सुबह उठाने के लिए उसे पक्षियों की आवाज़ें नहीं आएँगी।

. . .

Yulia, mannen hennes og den lille datteren deres bodde i et lite, rolig tettsted i Ukraina. Yulia likte veldig godt å våkne hver morgen til lyden av fugler. Hun trodde aldri at hun skulle bo langt hjemmefra, eller at hun ikke skulle bli vekket av lyden av fugler om morgenen.

उसके पति को पर्याप्त पैसा ना होने की हमेशा शिकायत रहती थी और वह बहुत ज़्यादा शराब पीने लगा था। उन्होंने पुर्तगाल में अपनी किस्मत आज़माने का फ़ैसला किया। हो सकता है कि वहाँ वे एक घर और अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य बनाने के लिए अधिक पैसा कमा सकें।

. . .

Mannen hennes klaget alltid over mangelen på penger, og han begynte å drikke mye. De bestemte seg for å prøve lykken i Portugal. Kanskje de der kunne tjene mer penger til å bygge et hus og en bedre framtid for familien.

यूलिया अपने नए घर में बहुत अच्छे से ढल गई और उसने क्लीनर के रूप में काम करना शुरू कर दिया। उसके ग्राहकों ने वास्तव में उसकी कड़ी मेहनत और उसके विनम्र स्वभाव की सराहना की। दूसरी ओर, उसके पति ने महसूस किया कि वह सबसे और भी दूर हो गया है। उसके पीने की आदत की वजह से, मालिकों ने उस पर भरोसा करना और काम देना बंद कर दिया।

. . .

Yulia tilpasset seg det nye hjemmet godt, og hun begynte å jobbe som hjemmehjelp. Kundene hennes satte virkelig pris på arbeidet hennes og den høflige innstillingen hennes. Mannen hennes, derimot, følte seg stadig mer oversett. På grunn av alkoholproblemet hans stolte ikke arbeidsgivere nok på ham til å gi ham arbeid.

यूलिया एक महिला आश्रयस्थल में गई, जहाँ लंबे अर्से बाद उसने इतना सुरक्षित महसूस किया। उसने ऐसा कई समय से महसूस नहीं किया था। उसको आखिरी बार यह एहसास तब हुआ था जब उसकी नींद सुबह-सुबह पक्षियों की आवाज़ से खुला करती थी।

. . .

Yulia dro til et krisesenter, hvor hun følte seg tryggere enn hun hadde gjort på lenge. Hun hadde ikke følt seg sånn siden hun ble vekket av lyden av fugler om morgenen.

एक दिन उसने यूलिया पर चिल्लाना शुरू कर दिया। फिर, उसने उसे धक्का देना शुरू कर दिया। चूँकि वह नशे में था इसलिए चिल्लाना और मारपीट करने का सिलसिला बद से बदतर हो गया। यूलिया अपने और अपनी बेटी के लिए डरती थी, लेकिन उसे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि वह क्या कर सकती थी।

. . .

En dag begynte han å kjefte på Yulia. Senere begynte han å dytte henne. Volden økte med skriking og slag, særlig når han var full. Yulia var redd for seg selv og for datteren sin, men hun visste ikke hva hun skulle gjøre.

आखिरकार जब यूलिया को टूटी बाँह के साथ अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में जाना पड़ा, तो उन्होंने उसे बताया कि पुर्तगाल में घरेलू हिंसा एक बड़ी समस्या थी। उन्होंने यह भी कहा कि यह एक अपराध था और उसे पुलिस को इसकी सूचना देनी चाहिए।

. . .

Da Yulia omsider måtte dra til legevakten på sykehuset med brukket arm, fortalte de henne at partnervold var et stort problem i Portugal. De sa også at det var ulovlig, og at hun burde anmelde det til politiet.

यूलिया थक गई थी और वह नहीं चाहती थी कि उसकी छोटी बेटी एक ऐसे घर में बड़ी हो जहाँ उसने हर दिन हिंसा देखी हो। यूलिया को एहसास हुआ कि दुर्व्यवहार के संकेत उसके साथ हमेशा मौजूद रहे, भले उसके रूप बदलते रहे हों।

. . .

Yulia var utslitt og ville ikke at den lille datteren hennes skulle vokse opp i et hjem hvor hun var vitne til vold daglig. Yulia innså at tegnene på mishandling hadde vært der hele tiden, selv om de så veldig forskjellige ut.